1.	Name of Activity (Title)	Joy of Giving and Neki ki Deewar
2.	Type of Activity (FDP/Lecture/Technical/conference etc.)	Social Activity
3.	Name of department/ Section/ cell conducting the activity	Department of Student Welfare
4.	In coordination with (if any)	Nil
5.	Date of conduct	9th Nov. to 13th Nov. and 18th -19th Nov. 2017.
6.	Name of Activity Coordinator (s)	Dr. Sonia
7.	Amount Spent	-------
8.	Funding/ grant from (University/ Industry/ UGC/ AICTE/ DST/ TEQIP/ Outside Society/ agency/others (mention)	-------
9.	Target audience	Students & Staff Members of the University
10.	No. of beneficiaries	More than 100 Peoples.
11.	Name of Outside guests/Speaker	NIL
12.	Also attach two/ three good quality photographs	Enclosed

नेकी की दीवार
JOY OF GIVING WEEK

घर-घर जाकर जरूरतमंदों के लिए जुटा रहे सामान

स, फरीदाबाद : वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के छात्र जरूरत मंद लोगों के लिए जॉय ऑफ गिविंग मुहिम के तहत घर-घर जाकर सामान जुटा रहे हैं। छात्र इस मुहिम में घरों में प्रयोग न होने वाली किताबें, बर्तन, गर्म कपड़े व दूसरी चीजें एकत्र कर जरूरतमंद लोगों को बांटते हैं। छात्र अब तक करीब 50 परिवारों के लिए समान जुटा भी चुके हैं। सामान एकत्र करने के लिए छात्रों ने यूनिवर्सिटी में नेकी की दीवार बनाई हुई है वहीं सेक्टर-7 व 11 में नेकी के काउंटर भी खोले हैं। छात्रों की इस मुहिम को यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने सराहा।

हुए रितिक चपराना ने 7 ओवर में 56 रन देकर टीम 148 रन पर आउट हो गई। टीम का कोई रन बनाए। आईएस नगर ने कोच

सराहनीय पहल

प्रतिवर्ष चलाया जाता है 'जॉय ऑफ गिविंग' अभियान, लोगों से करते हैं उपयोग में नहीं आने वाले सामान को दान देने की अपील

स्टूडेंट्स डोर टू डोर जाकर जरूरतमंदों के लिए जुटा रहे सामान

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने 'जॉय ऑफ गिविंग' के तहत 'दान उत्सव' अभियान शुरू किया है। इसके तहत विद्यार्थी निर्धन, अनाथ और जरूरतमंदों के लिए घर-घर जाकर जरूरी समान जुटाते हैं। इस बार अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में 'नेकी की दीवार' स्थापित की गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक जगह उपलब्ध कराना है जहां वे ऐसी वस्तुएं जैसे किताबें, कपड़े आदि छोड़ सकते हैं जो उनके इस्तेमाल में नहीं आ रही हैं। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इस 'नेकी की दीवार' का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर लोग घरों की सफाई के दौरान ऐसे सामान को अलग रख देते हैं, जो रोजमर्रा में उपयोग में नहीं आता। लेकिन साधनों से वंचित लोगों के लिए यह सामान काफी उपयोगी हो सकता है। इसी सोच के साथ विद्यार्थियों ने डोर-टू-डोर लोगों से ऐसे सामान को देने का आग्रह किया। इस सामान में सबसे ज्यादा कपड़े हैं। इसके अलावा लोगों ने किताबें, खिलौने तथा रोजमर्रा की अन्य चीजें भी दान में दी हैं। इस मौके पर कुलप्रति ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक सरोकार तथा परोपकार की भावना को लेकर विद्यार्थी जिस तरह से कार्य कर रहे हैं, वह सभी के लिए प्रेरणादायी है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नरेश चैहान के अनुसार 'जॉय ऑफ गिविंग' विद्यार्थियों द्वारा चलाया जाने वाला वार्षिक अभियान है, जो वर्ष 2012 से चल रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों द्वारा इकट्ठा किया गया सामान बधौला के 'आंचल छाया' अनाथाल में भेजा जाता है तथा शहर की बस्तियं विभिन्न अनाथालयों व वृद्धाश्रमों को जरूरत के अनुसार सामान भेजा जाता कार्यक्रम की संयोजक डा. सोनिया चंद के अनुसार 'जॉय ऑफ गिविंग' अभि के तहत हर वर्ष विद्यार्थी अभियान में ब चढ़कर हिस्सा लेते हैं तथा अलग-अ सेक्टरों में जाकर डोर-टू-डोर गतिविधि चलाते हैं।

फरीदाबाद. 'जॉय ऑफ गिविंग' तहत स्टूडेंट्स एकत्रित सामान के साथ।

दूसरा चरण 18 से 19 नवंबर तक चलेगा

विद्यार्थियों द्वारा सेक्टर-7, सेक्टर-11 तथा महत्वपूर्ण जगह पर काउंटर लगाकर भी सामान एकत्र किया है। इसका पहला चरण 9 से 13 नवंबर तक चलाया गया। दूसरे चरण को 18 व 19 नवंबर तक चलाया जाएगा। उन्होंने कहा विद्यार्थियों द्वारा एकत्र सामान को एक दिन अनाथालय एवं वृद्धाश्रम जाकर वितरित किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थी वहां बच्चों तथा वृद्धजनों के साथ समय बिताएंगे तथा उनके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे।